लाइब्रेरी में शेर

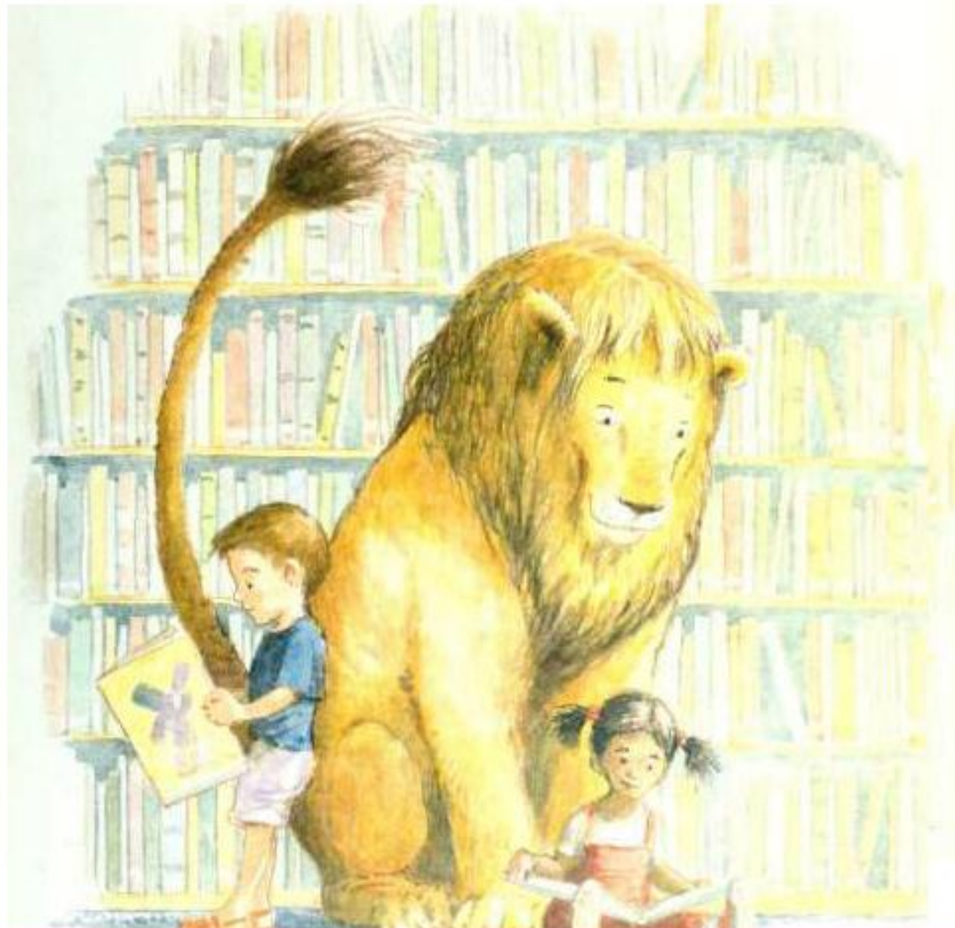

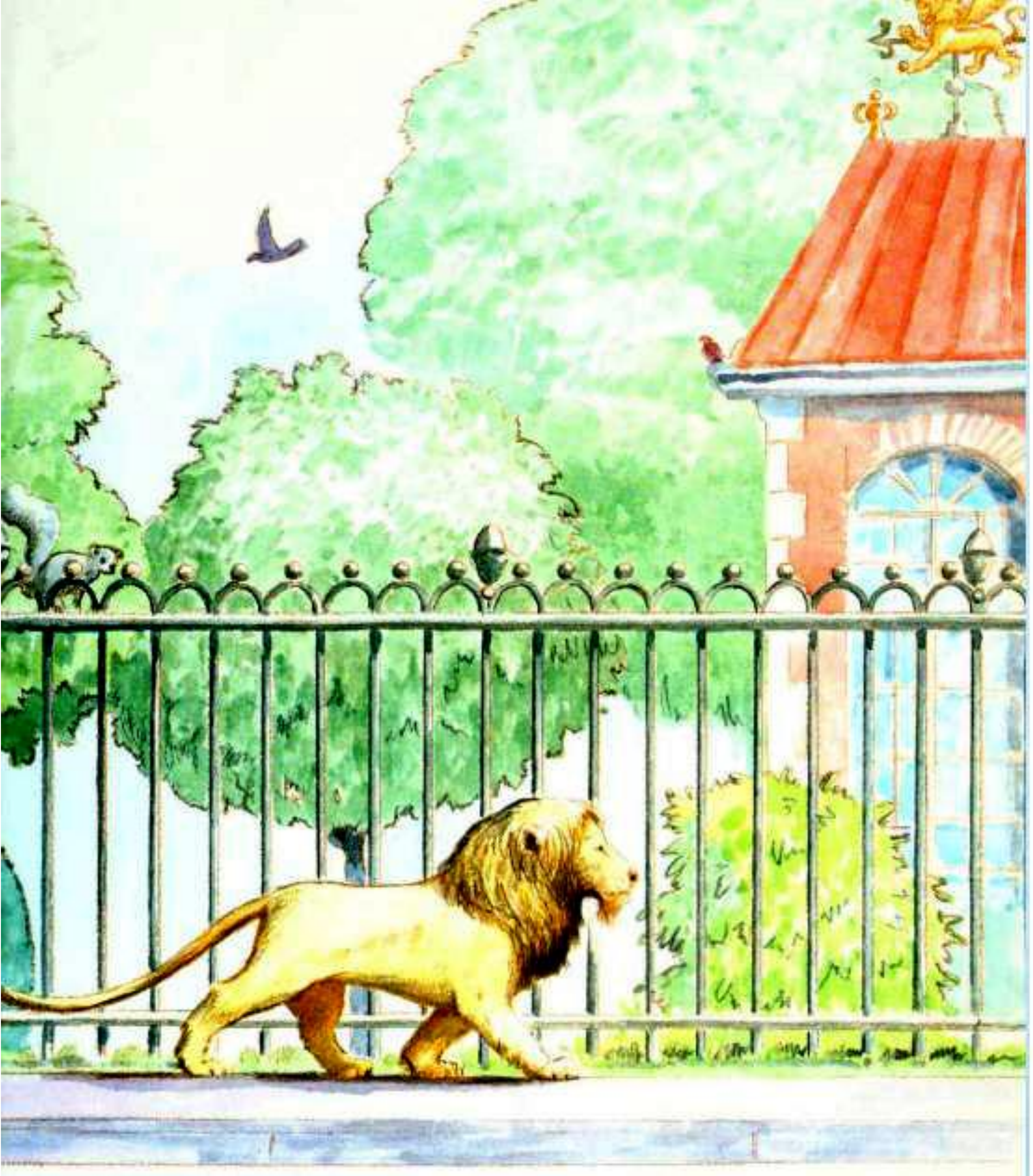

लाइब्रेरी में शेर

लाइब्रेरी में शेर

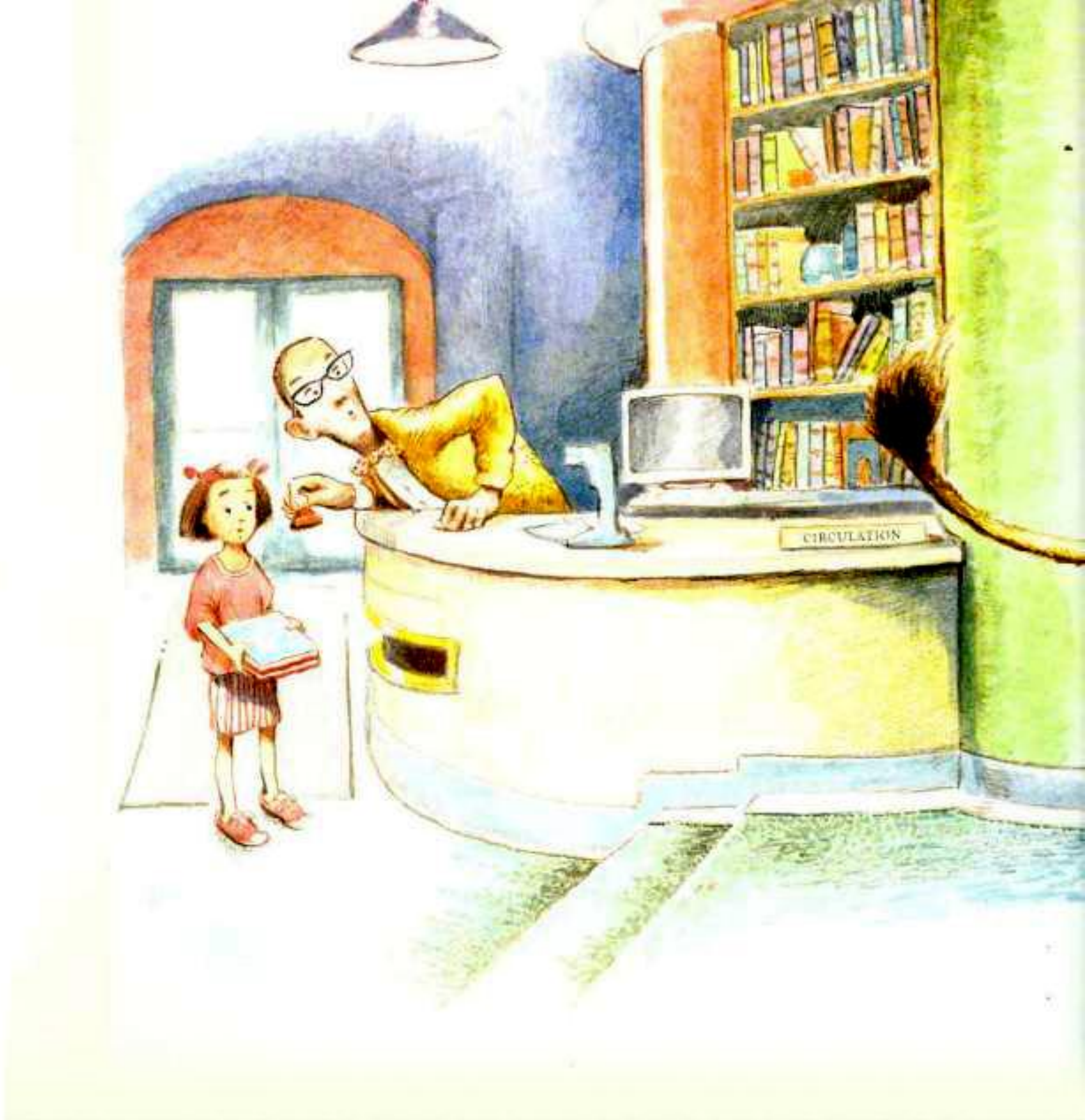

एक दिन पुस्तकालय में एक शेर आया.

वह सामने वाली डेस्क के ठीक पीछे किताबों ढेर में चला गया.

मिस्टर मैकबी हॉल से नीचे हेड लाइब्रेरियन के दफ्तर में भागकर गए. "मिस मेरीवेदर!" उन्होंने कहा.

"दौड़ना मना है," मिस मेरीवेदर ने बिना देखे उनसे कहा.

"लेकिन एक शेर आया है!" मिस्टर मैकबी ने कहा, "पुस्तकालय में!"

"क्या उसने किसी नियम को तोड़ा है?" मिस मेरीवेदर ने पूछा. नियम तोड़ने के बारे में वो बहुत सख्त थीं.

"नहीं, उसने कोई नियम नहीं तोड़ा है," मिस्टर मैकबी ने कहा. "सच में नहीं."

"फिर उसे वहां रहने दो."

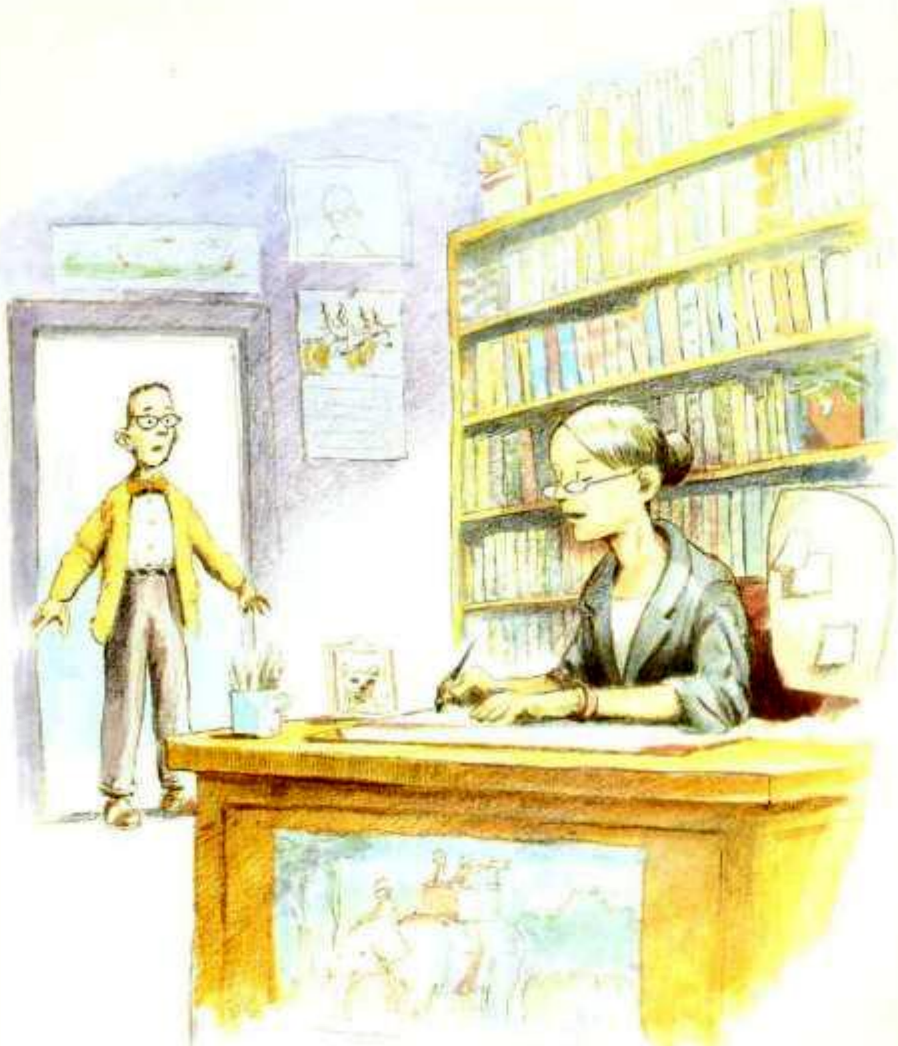

शेर पुस्तकालय में चारों ओर घूमता रहा.
उसने पुस्तकों के कार्ड कैटलॉग को सूँघा.

उसने नए पुस्तक संग्रह पर अपना सिर रगड़ा.

फिर वो एक कोने में जाकर बैठकर सो गया.

किसी को पता नहीं था कि वे क्या करें?

पुस्तकालय में, शेरों के बारे में कोई नियम भी नहीं थे.

जल्द ही कहानी सुनाने का घंटा शुरू हुआ.

कहानी के घंटे में भी, शेरों के बारे में लाइब्रेरी के कोई नियम नहीं थे.

कहानी सुनाने वाली महिला थोड़ी घबराई हुई ज़रूर लगी.

लेकिन उसने अच्छी, स्पष्ट आवाज़ में पहली पुस्तक का शीर्षक पढ़ा.

शेर ने ऊपर सर उठाकर देखा. फिर महिला कहानी पढ़ती रही.

शेर अगली कहानी के लिए भी ठहरा और उसके बाद की कहानी के लिए भी. वो एक और कहानी सुनना चाहता था, लेकिन तब तक बच्चों के घर जाने का समय हो गया था.

"कहानी का घंटा खत्म हो गया है," एक छोटी लड़की ने शेर से कहा. "अब जाने का समय है."
शेर ने बच्चों की तरफ देखा. उसने कहानी वाली औरत को भी देखा. उसने बंद किताबों को देखा. फिर वह बहुत जोर से दहाड़ा.

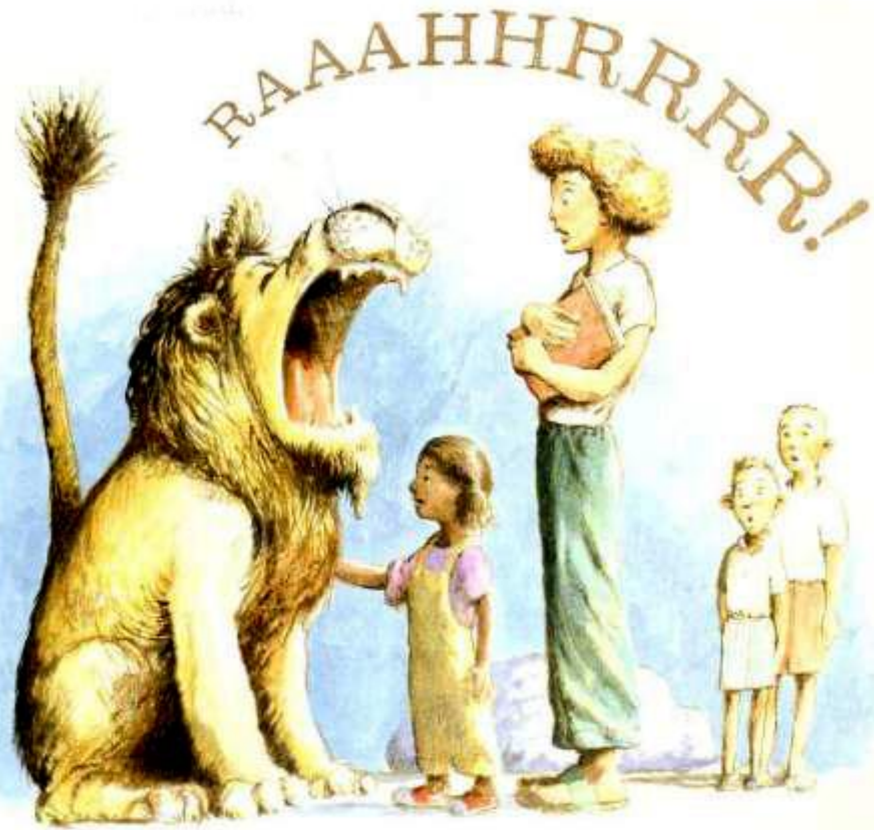

मिस मैरीवेदर अपने दफ्तर से बाहर से दौड़ी-दौड़ी आईं. "वो शोर कौन कर रहा है?" उन्होंने कड़क आवाज़ में पूछा.
"शेर दहाड़ा है," मिस्टर मैकबी ने कहा.
मिस मैरीवेदर ने शेर को डांटते हुए कहा. "यदि तुम शांत नहीं रह सकते हो, तो तुम्हें लाइब्रेरी को छोड़ना होगा," उन्होंने अपनी कड़क आवाज़ में कहा. "वे लाइब्रेरी का नियम है!"
शेर दहाड़ता रहा. वह थोड़ा उदास लग रहा था.
छोटी लड़की ने मिस मेरिएवेदर की ड्रेस को खींचा. "अगर वो शांत रहने का वादा करता है, तो क्या वो कल कहानी सुनने के लिए वापस आ सकता है?" उसने पूछा.
शेर ने दहाड़ना बंद कर दिया. उसने मिस मेरिएवेदर को देखा. मिस मेरिएवेदर ने पीछे मुड़कर देखा. फिर उन्होंने कहा,
"हाँ, एक अच्छा, शांत शेर निश्चित रूप से कल कहानी वाले घंटे के लिए वापस आ सकता है."
"हुर्रे!" बच्चों ने ख़ुशी से कहा.

अगले दिन शेर वापस आया. "आप जल्दी आये हैं,"
मिस मेरिएवेदर ने कहा. "कहानी का घंटा तीन बजे शुरू होगा."
पर शेर वहां से टस-से-मस नहीं हुआ.

"ठीक है," मिस मेरिएवेदर ने कहा.
"फिर आप यहाँ कुछ उपयोगी काम
कर सकते हैं." कहानी का घंटे शुरू
समय होने तक उन्होंने शेर को
विश्वकोशों की धूल झाड़ने के लिए
भेजा.

अगले दिन, शेर फिर से जल्दी आ गया. इस बार, मिस मेरिएवेदर ने उसे किताबों को सही समय पर वापिस न करने वाले सभी नोटिसों के लिफाफों को चाटने भेजा.

जल्द ही शेर बिना पूछे लाइब्रेरी में काम करने लगा. उसने विश्वकोशों की धूल को झाड़ा. उसने लिफाफे चाट कर उन्हें बंद किया. छोटे बच्चों को सबसे ऊंची अलमारियों पर किताबें रखने के लिए उसने उन्हें अपनी पीठ पर खड़े होने दिया.

उसके बाद शेर कोने में बैठकर कहानी शुरू होने का इंतजार करता था.

पहले तो पुस्तकालय के लोग शेर से घबराए. लेकिन जल्द ही उन्हें उसके आसपास रहने की आदत पड़ गई. वास्तव में, शेर पुस्तकालय के लिए बहुत उपयोगी साबित हुआ. लाइब्रेरी के फर्श पर चलते समय उसके बड़े पैर कोई शोर नहीं मचाते थे. कहानी के घंटे के दौरान बच्चे शेर के बड़े शरीर से टेक लगाकर बैठ जाते थे. और अब वह कभी भी लाइब्रेरी में दहाड़ता नहीं था.

"कितना मददगार शेर है," लोग कहते. फिर आते-जाते लोग उसके नरम सिर को थपथपाते. "उस शेर के बिना भला लाइब्रेरी का काम कैसे चलेगा?"

यह सुनकर मिस्टर मैकबी एकदम घबराए. शेर के आने से पहले भी लाइब्रेरी का काम-काज ठीक-ठाक चल रहा था. मिस्टर मैकबी को किसी शेर की जरूरत नहीं थी!

शेर लाइब्रेरी के नियमों को नहीं समझते थे इसलिए उन्हें वहां नहीं होना चाहिए था.

एक दिन, जब उसने सभी विश्वकोशों की धूल साफ़ कर दी और सभी लिफाफों पर थूक लगा दिया और सभी छोटे बच्चों की मदद कर दी, फिर शेर हॉल में मिस मेरीवेदर के दफ्तर में कुछ और काम पूछने के लिए गया.

कहानी का घंटा शुरू होने में अभी कुछ समय बाकी था.

"हैलो, शेर," मिस मेरीवेदर ने कहा. "तुम क्या कर सकते हो, उसका मुझे अच्छा अंदाज़ है. तुम मेरे लिए काफी काम कर सकते हो. अब मुझे बस इस शेल्फ से नीचे उतरने दो."

मिस मेरीवेदर ने स्टूल पर कदम रखा.

पर किताब उनकी पहुंच से बाहर थी.

मिस मेरीवेदर अपने पैर की उंगलियों पर खड़ी थीं.

उन्होंने हाथ की उंगलियों को फैलाया.

"मैं वहां लगभग वहां पहुंचने वाली हूँ ..." उन्होंने कहा.

पर मिस मेरीवेदर कुछ ज़्यादा ही दूर तक खिंच गईं.

"आउच," मिस मेरीवेदर ने धीरे से कहा. फिर वो उठी नहीं.
"मिस्टर मैकबी!" वो एक मिनट के लिए चिल्लाईं,
"मिस्टर मैकबी!"
लेकिन मिस्टर मैकबी, सर्कुलेशन डेस्क पर दूर बैठे थे.
उन्हें आवाज़ सुनाई नहीं दी.
"शेर," मिस मेरीवेदर ने कहा. "कृपया जाओ और मिस्टर मैकबी को बुलाकर लाओ."
फिर शेर हॉल के नीचे भागा.

"नहीं, दौड़ो मत," मिस मेरीवेदर शेर पर चिल्लाईं.

शेर ने अपने बड़े पंजे सर्कुलेशन डेस्क पर रखे और फिर उसने मिस्टर मैकबी को घूरा.
"दूर जाओ, शेर!" मिस्टर मैकबी चिल्लाये, "मैं अभी बहुत व्यस्त हूँ."
शेर फुसफुसाया. उसने अपनी नाक से मिस मेरीवेदर के दफ्तर की ओर इशारा किया.
मिस्टर मैकबी ने उसकी बात पर कोई ध्यान नहीं दिया.
अंत में, शेर ने वही किया जो वह वो अच्छी तरह कर सकता था. उसने सीधे मिस्टर मैकबी की आँखों में देखा. फिर उसने अपना मुंह बहुत चौड़ा खोला. अंत में वो अपने जीवन में सबसे ज्यादा तेज़ दहाड़ा!

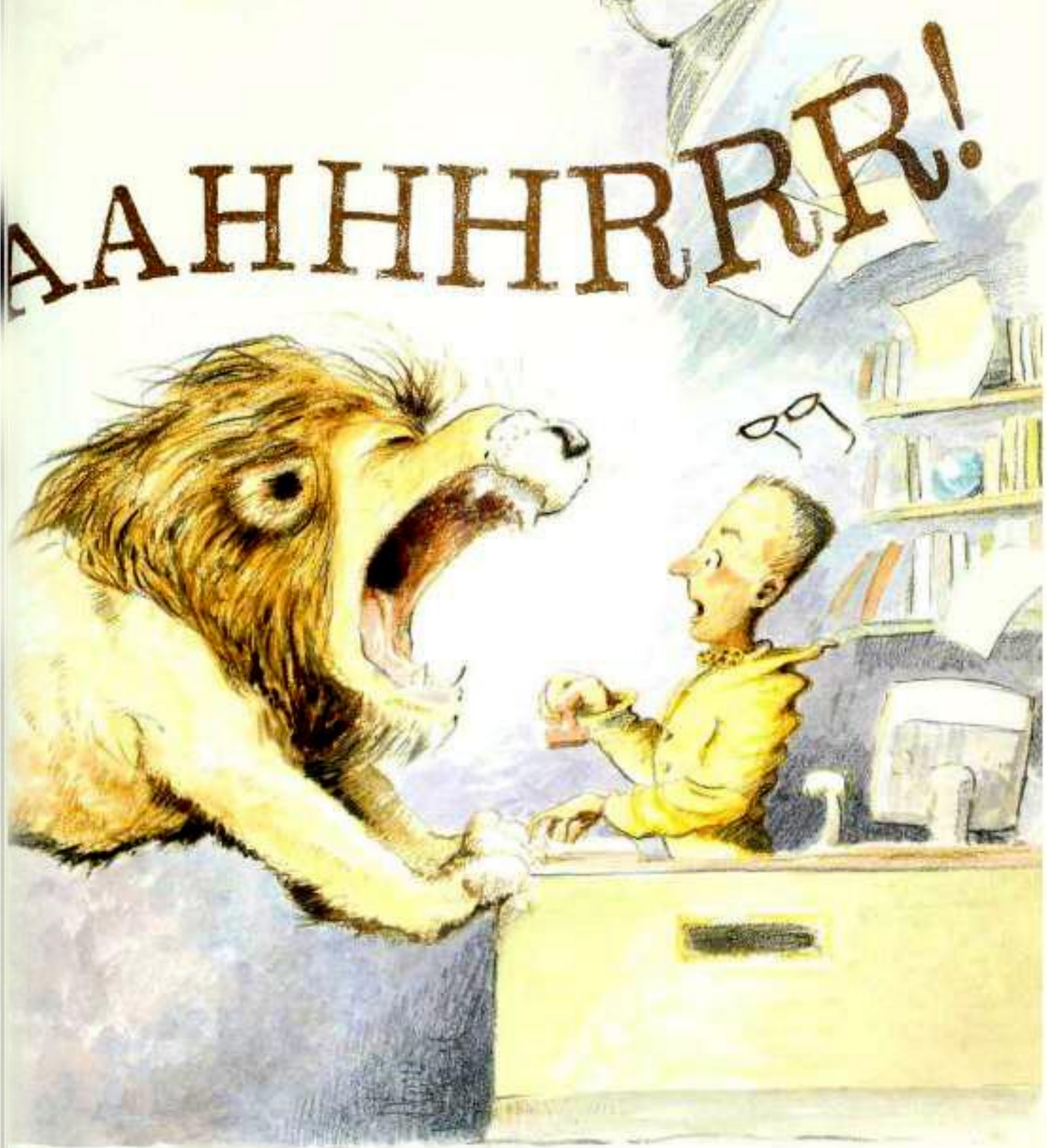

मिस्टर मैकबी हांफने लगे.

"आप शांत रहें!" उसने शेर से कहा.

"आप लाइब्रेरी का नियम तोड़ रहे हैं!"

उसके बाद मिस्टर मैकबी हॉल में तेजी से चलते हुए आगे गए.

शेर ने उनका पीछा नहीं किया. उसने नियम तोड़े थे. उसे उसका मतलब पता था. शेर ने अपना सिर लटकाया और फिर वो दरवाज़े की ओर चल पड़ा.

मिस्टर मैकबी ने ध्यान नहीं दिया.

"मिस मेरीवेदर!" उन्होंने कहा और फिर वो आगे बढ़े. "मिस मेरीवेदर! शेर ने नियम तोड़े हैं! शेर ने लाइब्रेरी के नियम तोड़े हैं!!"

फिर मिस्टर मैकबी, मिस मेरीवेदर के दफ्तर में घुसे.

पर वो अपनी कुर्सी पर नहीं थी.

"मिस मेरीवेदर?" उन्होंने दुबारा कहा.

"कभी-कभी," मिस मेरीवेदर ने फर्श पर पड़े हुए कहा, "पुस्तकालय में नियमों को तोड़ने का एक अच्छा कारण भी होता है. कृपया आप जल्दी एक डॉक्टर को बुलाएं. लगता है कि मेरे हाथ की हड्डी टूट गई है."

मिस्टर मैकबी डॉक्टर को बुलाने दौड़े.

"दौड़ो मत!" मिस मेरीवेदर ने चिल्लाकर कहा.

अगले दिन, चीजें वापस सामान्य हो गईं.
लगभग.
मिस मेरीवेदर का बायां हाथ एक प्लास्टर में था.
डॉक्टर ने उन्हें बहुत ज्यादा मेहनत के काम न करने की सलाह दी थी.
"अब मैं शेर की मदद लूंगी," मिस मेरीवेदर ने सोचा.
लेकिन उस सुबह शेर लाइब्रेरी में नहीं आया.
तीन बजे, मिस मेरीवेदर कहानी वाले कमरे में गईं.
कहानी सुनाने वाली महिला ने बच्चों के लिए एक कहानी शुरू कर दी. पर शेर नहीं आया.

पुस्तकालय में लोग अपनी किताबों और कंप्यूटर स्क्रीन से देखते रहे. वे अपने परिचित शेर के प्यारे चेहरे को देखने की उम्मीद कर रहे थे.

लेकिन उस दिन शेर नहीं आया.

शेर अगले दिन भी नहीं आया,

और उसके बाद के दिन भी नहीं.

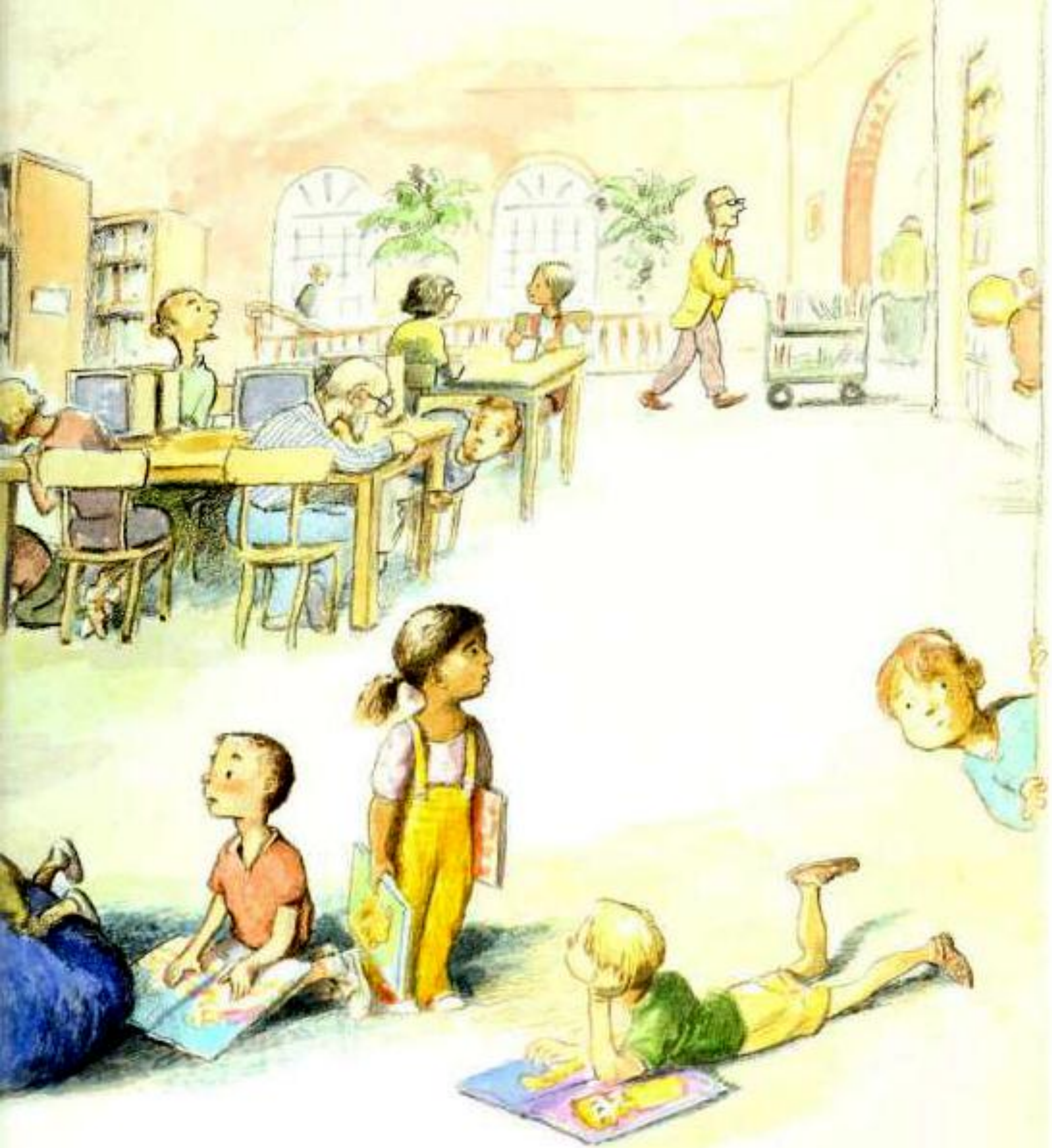

एक शाम मिस्टर मैकबी, बाहर जाने से पहले मिस मेरीवेदर के दफ्तर में गए. "मैं घर जाने से पहले क्या आपका कुछ काम कर सकता हूं, मिस मेरीवेदर?" उन्होंने पूछा.

"नहीं, धन्यवाद," मिस मेरीवेदर ने कहा. वह खिड़की के बाहर देख रही थीं. उनकी आवाज शांत थी. वो बहुत धीमी आवाज़ में बोल रही थीं.

श्री मैकबी के दूर जाकर अपना मुंह बनाया. उन्हें लगा कि शायद वो मिस मेरीवेदर के लिए कुछ काम कर सकते थे.

श्री मैकबी ने पुस्तकालय छोड़ दिया. लेकिन वह घर नहीं गए.

वो पड़ोस में घूमता रहे. उन्होंने कारों के नीचे देखा.

उन्होंने झाड़ियों के पीछे देखा.

उन्होंने पिछवाड़े, कूड़ेदानों और पेड़ों के ऊपर बने घरों में देखा.

अंत में वह लाइब्रेरी के पास वापस आए.
वहां शेर बाहर बैठा था, और कांच के दरवाज़े से अंदर देख रहा था.
"नमस्ते, शेर." मिस्टर मैकबी ने कहा.
शेर ने मुड़कर नहीं देखा.
"मैंने सोचा कि आप जानना चाहेंगे," मिस्टर मैकबी ने कहा. "पुस्तकालय में एक नया नियम बना है. वैसे वहां बिना किसी अच्छे कारण के दहाड़ने की अनुमति नहीं है. हाँ, अगर आप तकलीफ में किसी मित्र की मदद करने की कोशिश कर रहे हैं, तो फिर अब वहां दहाड़ने की इज़ाज़त है."
शेर ने कान हिलाये. फिर वो पीछे की ओर घूमा.
लेकिन तब तक मिस्टर मैकबी उससे दूर जा चुके थे.

अगले दिन, मिस्टर मैकबी हॉल के नीचे मिस मेरीवेदर के दफ्तर में गए.
"क्या बात है, मिस्टर मैकबी?" मिस मेरीवेदर ने उनसे अपनी नई, उदास, शांत आवाज़ में पूछा.
"मैंने सोचा कि आप यह जानना चाहेंगी," मिस्टर मैकबी ने कहा, "कि पुस्तकालय में एक शेर है."
मिस मेरीवेदर अपनी कुर्सी से कूदकर सीधे हॉल के नीचे भागीं.
मिस्टर मैकबी मुस्कुराए. "दौड़ना मना है!” वो मिस मेरीवेदर पर चिल्लाये.
पर मिस मेरीवेदर ने उनकी बात सुनी नहीं.

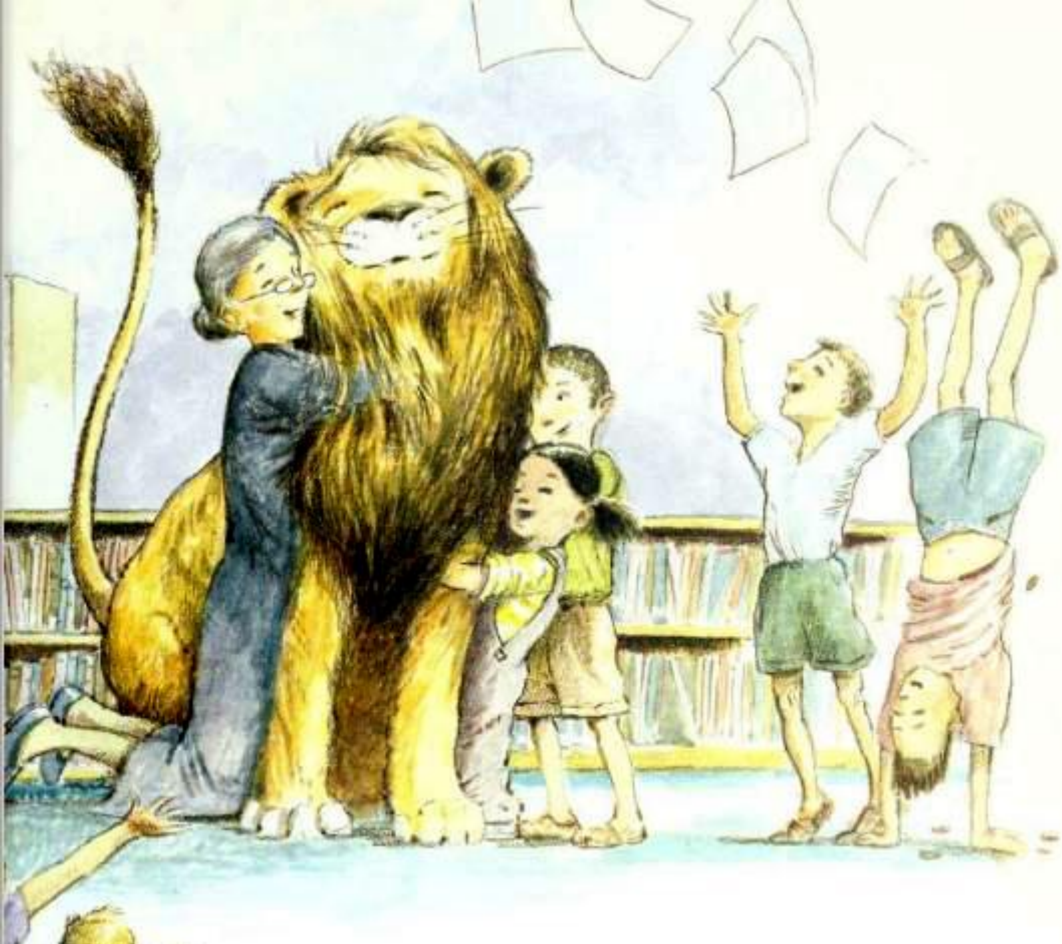

कभी-कभी नियम तोड़ने का कोई
अच्छा कारण भी होता है.
पुस्तकालय में भी.

समाप्त